DR. JASPINDER NARULA KAUL

Dr. Jaspinder Narula Kaul is a celebrated Bollywood playback singer, who shot to fame after her super chartbuster "Pyar to Hona hi Tha" from the film 'Pyor To Hona Hi Tha' for which she won the 1999 Filmfare Best Female Playback Singer Award & Star Screen Best Female Playback Singer Award.

2. Dr. Narula was born on 14th November, 1966 in a musical family. Her father S. Kesar Singh Narula, was a renowned music composer of Punjabi Film & Music industry and her mother Mohini Narula was a noted Punjabi & Haryanvi Folk singer. Apart from her father, her Gurus were Pt Sita Ram ji & Ghulam Sadiq Khan Sahib of Rampur Sahaswan Gharana. Dr. Narula's career started at a very early age when she was discovered as a wonder child and in 1974 her first singing tour abroad started with shows in UK & Canada. And thereon she kept travelling across the globe delighting billions of music lovers with her melodious voice and heart rendering numbers. Her 1st Super 7 record of devotional songs was released by HMV (His Maters Voice) in 1975.

3. Dr Narula kept away from films singing to complete her studies and it was only post her Bachelor's, Master's & MPhil degrees in music that she entered film industry but pursued her studies in parallel to her commercial successes and completed her Ph.D. in Hindustani classical music from Delhi University in 2008. She not only excelled in Bollywood singing but also commands Sufi, devotional, Punjabi folk, classical & Western music styles. She has her uncountable number of songs released in all genres of music recorded in almost all languages of India and rest of the world.

4. Dr. Narula again won the title of India's Best Live Performer in NDTV Imagine's professional/celebrated singers' competition reality show, 'Dhoom Macha De' in 2008. She is the 1st Indian singer to introduce the Sufi chartbuster 'Dama Dam Mast Kalandad to Indian audiences at a young age of 8 at the inaugural function of Doordarshan Kendra, Jalandhar. And in 2024 she completed 50 Illustrious years of her singing career during which according to an estimate she has sung for about 350 films & 25-30 thousand non-filmi songs.

5. In Mumbai's film world, it was Ghazal Maestro and music composer Late Sh. Jagjit Singh who gave Dr. Narula the first break with a devotional Punjabi Film's number closely followed by the noted music composer Kalyanji Bhai and his son music director, Viju Shah with films like 'Master', 'Aar Ya Paar' and 'Bade Miyan Chhote Miyan .

6. Dr. Narula's first commercial hits started from songs of Film "Judai" in 1996-97. And then followed a series of block-busters like Virasat, Fiza, Aa Ab Laut Chalein, Pinjar, Soldier, Dulhe Raja, Major Saab, Mission Kashmir, Devdas, Mohabbatein, Phir Bhi Dil Hai Hindustani and Bunty Aur Babli, Hello Brother, Surya Vansham, Dulhe Raja, Hogi Pyar ki Jeet, Chaar Sahebzade Soldier, Janam Samjha Karo Dillagi, Joru Ka Ghulam etc.

7. Dr. Narula has been honoured with several awards including filmfare award in 1999: Best Female Playback: "Pyaar To Hona Hi Tha" from Pvaar To Hona Hi Tha. Star Screen Award in 1999: Best Female Playback: "Pyaar To Hona Hi Tha" from Pvaar To Hona Hi Tha. NDTV Imaging award in 'Dhoom Macha De': A celebrity singers contest on NDTV Imagine. She has been awarded by Legislative Assembly Alberta, Canada, Silver Nighingale of Uzbekistan & many other distinguished institutions of USA,UK, Canada, South Africa,North Africa, East Africa, Mauritius, New Zealand, Holland, Belgium, Norway, Bangladesh, Singapore, Indoneisa, Malaysia, Thailand, Trinidad & Tobago, Surinam etc

डॉ. जसपिन्दर नरूला कौल

डॉ. जसपिन्दर नरूला कौल एक प्रसिद्ध बॉलीवुड पार्श्व गायिका हैं, जिन्होंने फिल्म 'प्यार तो होना ही था' के अपने सुपर चार्टबस्टर "प्यार तो होना ही था" से प्रसिद्धि पाई, जिसके लिए उन्होंने वर्ष 1999 का फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका पुरस्कार और स्टार स्क्रीन सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका पुरस्कार जीता।

2. डॉ. नरूला का जन्म 14 नवंबर, 1966 को एक संगीत से जुड़े परिवार में हुआ था, उनके पिता एस. केसर सिंह नरूला पंजाबी फिल्म और संगीत उद्योग के प्रसिद्ध संगीतकार थे और उनकी माँ मोहिनी नरूला प्रसिद्ध पंजाबी और हरियाणवी लोक गायिका थीं। अपने पिता के अलावा, उनके गुरु रामपुर सहसवान घराने के पंडित सीता राम जी और गुलाम सादिक खान साहिब थे। डॉ. नरूला का करियर बहुत कम उम्र में शुरू हुआ जब उन्हें एक अद्भुत बच्चे के रूप में देखा गया और वर्ष 1974 में विदेश में उनका पहला गायन दौरा यूके और कनाडा में शो के साथ शुरू हुआ। और इसके बाद वह अपनी मधुर आवाज और दिल को छू लेने वाले गानों से अरबों संगीत प्रेमियों को आनंदित करने के लिए दुनिया भर में यात्रा करती रहीं। भक्ति गीतों का उनका पहला सुपर 7 रिकॉर्ड एचएमवी (हिज मेटर्स वॉयस) द्वारा वर्ष 1975 में जारी किया गया था।

3. डॉ. नरूला ने अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए फिल्मी गायन से दूरी बना ली और संगीत में स्नातक, परास्नातक और एमफिल की डिग्री के बाद ही उन्होंने फिल्म उद्योग में प्रवेश किया, लेकिन अपनी व्यावसायिक सफलताओं के साथ–साथ उन्होंने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी और वर्ष 2008 में दिल्ली विश्वविद्यालय से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में पीएचडी पूरी की। उन्होंने न केवल बॉलीवुड गायन में उत्कृष्टता हासिल की, बल्कि सूफी, भक्ति, पंजाबी लोक, शास्त्रीय और पश्चिमी संगीत शैलियों में भी महारत हासिल की। उन्होंने भारत और दुनिया के बाकी हिस्सों की लगभग सभी भाषाओं में रिकॉर्ड किए गए संगीत की सभी विद्याओं में अनगिनत गाने गाए हैं।

4. डॉ. नरूला ने वर्ष 2008 में एनडीटीवी इमेजिन के पेशेवर/प्रतिष्ठित गायकों की प्रतियोगिता रियलिटी शो, 'धूम मचा दे' में फिर से भारत की सर्वश्रेष्ठ लाइव परफॉर्मर का खिताब जीता। वह 8 वर्ष की छोटी उम्र में दूरदर्शन केंद्र, जालंधर के उद्घाटन समारोह में सूफी चार्टबस्टर 'दमा दम मस्त कलंदड़' को भारतीय दर्शकों के सामने पेश करने वाली पहली भारतीय गायिका हैं। और वर्ष 2024 में उन्होंने अपने गायन करियर के 50 शानदार साल पूरे कर लिए हैं, जिसके दौरान एक अनुमान के मुताबिक उन्होंने लगभग 350 फिल्मों और 25–30 हजार गैर–फिल्मी गीतों के लिए गायन किया है।

5. मुंबई की फिल्मी दुनिया में, ग़ज़ल उस्ताद और संगीतकार स्वर्गीय श्री जगजीत सिंह ने डॉ. नरूला को एक भक्ति पंजाबी फिल्म के गाने से पहला ब्रेक दिया, जिसके बाद उन्होंने प्रसिद्ध संगीतकार कल्याणजी भाई और उनके बेटे संगीत निर्देशक विजू शाह की 'मास्टर', 'आर या पार' और 'बड़े मियां छोटे मियां' जैसी फिल्मों में काम किया।

6. डॉ. नरूला की पहली व्यावसायिक हिट 1996–97 में फिल्म "जुदाई" के गानों से शुरू हुई। और उसके बाद विरासत, फिजा, आ अब लौट चलें, पिंजर, सोल्जर, दूल्हे राजा, मेजर साब, मिशन कश्मीर, देवदास, मोहब्बतें, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी तथा बंटी और बबली, हैलो ब्रदर, सूर्यवंशम, दूल्हे राजा, होगी प्यार की जीत, चार साहेबजादे, सोल्जर, जानम समझा करो, दिल्लगी, जोरू का गुलाम आदि जैसी ब्लॉक–बस्टर फिल्में आई।

7. डॉ. नरूला को वर्ष 1999 में फिल्मफेयर पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है: सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायक: प्यार तो होना ही था से "प्यार तो होना ही था"। वर्ष 1999 में स्टार स्क्रीन अवार्ड: सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायक: प्यार तो होना ही था से "प्यार तो होना ही था"। एनडीटीवी इमेजिन पर एक सेलिब्रिटी गायक प्रतियोगिता: 'धूम मचा दे' में एनडीटीवी इमेजिंग पुरस्कार। उन्हें लेजिस्लेटिव असेंबली अल्बर्टा, कनाडा, उज्बेकिस्तान के सिल्वर नाइटिंगेल और संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, उत्तरी अफ्रीका, पूर्वी अफ्रीका, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, हॉलैंड, बेल्जियम, नॉर्वे, बांग्लादेश, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, त्रिनिदाद और टोबेगो, सूरीनाम आदि के कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा सम्मानित किया गया है।